>

Title: Need to take steps to set up new CGHS dispensaries in Jabalpur Parliamentary Constituency of Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। जिस संसदीय क्षेत्र से मैं चुनकर आता हूं, वहां पर रक्षा मंत्रालय के पांच महत्वपूर्ण संस्थान हैं, जिनमें आर्डिनेंस फैक्टरी, गन कैरेज फैक्टरी, ग्रे आयरन फाउंड्री है और इसके अलावा और भी बड़े संस्थान वहां पर हैं। इन संस्थानों में केन्द्रीय कार्यालयों में लगभग 80 हजार से एक लाख कर्मचारी सेवारत हैं अथवा जो रिटायर हो गये हैं, ऐसे लोग वहां पर निवास कर रहे हैं। इन सभी कर्मचारियों को सी.जी.एच.एस. के अन्तर्गत औषधालयों में उपचार कराने की पात्रता भी है।

महोदय, वर्तमान में जबलपुर में मात्र तीन सीजीएचएस औषधालय हैं, जिनमें मात्र नौ चिकित्सकों के पद सैंक्शन हैं और उपलब्ध केवल सात डाक्टर्स हैं, शेष दो पद खाली पड़े हुए हैं। पिछले सत्र में मैंने एक प्रश्न पूछा था, जिसके जवाब में बताया गया था कि अगर कोई नयी डिस्पेंसरी ,खोलनी हो तो उसके लिए कम से कम तीन किलोमीटर की परिधि में शहर में दो हजार या उससे अधिक पेंशनभोगियों की संख्या होनी चाहिए। मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृÂष्ट करना चाहूंगा कि हमारे यहां सीजीएचएस की डिस्पेंसरी के बारे में बताया गया कि डेढ़ सौ पेशेंट्स के ऊपर दो डाक्टर्स रहेंगे। आप कल्पना कीजिए कि पचहत्तर पेशेंट्स को एक डाक्टर देखेगा। उन कर्मचारियों की क्या हालत होती होगी, जो रिटायर्ड हैं अथवा इस समय वहां सेवा में हैं। उग्राहियों की संख्या अस्सी हजार से एक लाख है। इसके हिसाब से जो नियम कहता है, उसके अनुसार कम से कम वहां आठ डिस्पेंसरीज होनी चाहिए। उसी के अनुपात में डाक्टर्स भी होने चाहिए। वर्ष 2008 में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, डिपार्टमेंट आफ एक्सपेंडीचर आफ इंस्पेक्शन यूनिट ने जो सर्वे किया था, उसमें जबलपुर में कम से कम 15 डाक्टर्स की पोस्टिंग के लिए उसने रिकमंडेशन की थी। दुर्भाग्य से उस ओर आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृÂष्ट करना चाहता हूं कि मैंने स्वयं वहां विजिट की। वहां सवेरे पांच बजे से पेशेंट्स आकर लाइन में लगते हैं। जब मैं वहां गया, तो एक पचहत्तर साल के बूढ़े व्यक्ति ने मुझसे कहा कि मैंने तो सारा जीवन यह सोचकर सरकार की सेवा की थी कि कम से कम बुढ़ापे में मुझे स्वास्थ्य का लाभ मिलेगा।

MR. CHAIRMAN : You have said that. Do not describe the incidents. You have to say what you want from the Government. You do not have to say that you have met this or that person. You have to say what you want from the Government.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): मैं आपके आदेश का पालन करते हुए जल्द ही समाप्त करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं पांच बजे आकर यहां लाइन में लगा, लेकिन सुबह चार बजे से ही लोग यहां आकर लाइन में लगे हुए हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह है कि कम से कम जबलपुर में सीजीएचएस की पर्याप्त डिसपेंसरीज खोली जाएं और जब तक डिस्पेंसरीज नहीं खोलते तब तक वहां पर डाक्टर्स की नियुक्ति की जाए। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।